भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

28.04.2016 को राज्य सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 484

नाभिकीय विद्युत उत्पादन के लिए लक्ष्य

484. **श्री जेसुदासु सीलम:**

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) **क्या सरकार ने वर्ष 2032 तक 63 जी डब्ल्यू नाभिकीय विद्युत उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है;**

(ख) **बारहवीं पंचवर्षीय योजना अवधि की समाप्ति तक देश में नाभिकीय विद्युत का अपेक्षित हिस्सा कितना होगा; और**

(ग) **क्या सरकार की आगामी वर्षों में नाभिकीय ऊर्जा के लिए वार्षिक बजटीय आबंटन में वृद्धि करने की योजना है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) **वर्ष 2006 में संरूपित एकीकृत ऊर्जा नीति के अंतर्गत, नाभिकीय विद्युत क्षमता को वर्ष 2032 तक 63,000 मेगावाट तक पहुँचाने के बारे में परिकल्पना की गई है । इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा हाल ही में प्रस्तुत अपने अभिप्रेत राष्ट्रीय रूप से निर्धारित योगदान [इंटेंडेड नैशनली डेटरमाइन्ड कंट्रीब्यूशन (आईएनडीसी)] में यह भी कहा गया है कि यदि ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है, तो वर्ष 2032 तक 63 गीगावाट संस्थापित क्षमता हासिल करने के प्रयास किए जा रहे हैं ।**

(ख) **बारहवीं योजनावधि के अंत तक नाभिकीय विद्युत से प्राप्त ऊर्जा के हिस्से की प्रतिशतता लगभग 3% होने की आशा है ।**

(ग) **जी, हाँ; वित्त मंत्री ने वर्ष 2016-17 के बजट भाषण में, यह घोषणा की है कि, सरकार नाभिकीय विद्युत उत्पादन में निवेश में वृद्धि करने के लिए अगले 15 से 20 वर्षों तक की विस्तृत अवधि के लिए एक व्यापक योजना तैयार कर रही है ।**

*****